सांध्य दैनिक 4PM

एक कार्टूनिस्ट को एक महान आदमी में नहीं एक हास्यास्पद आदमी में आनंद मिलता है।
-आरके लक्ष्मण

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 172 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 28 जुलाई, 2022

प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी अपने अधिकारियों... 2 | लोक सभा चुनावः सपा को झटका... 3 | गंगा एक्सप्रेस-वे के नाम पर किसानों... 7

करोड़ों का तबादला उद्योग सामने आने के बाद भी आखिर क्यों नहीं हटाए गए मंत्रिमंडल से जितिन प्रसाद !

» अंधा भी बता देगा बिना मंत्री के इशारे के नहीं हो सकती थी करोड़ों की वसूली

चेतन गुप्ता

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तबादलों में हुए करोड़ों के घोटाले का मामला गरमाता जा रहा है। चर्चा है कि पीडब्ल्यूडी के तबादला उद्योग में तीन सौ करोड़ की वसूली की गयी थी। यह भी साबित हो चुका है कि ओएसडी अनिल कुमार पांडेय को मंत्री बनने के बाद जितिन प्रसाद अपने साथ हर विभाग में ले जाते थे। वहीं पीडब्ल्यूडी के तबादलों में घोटाले को लेकर सिर्फ ओएसडी पर कार्रवाई की गयी और अन्य बड़े अफसर बच गए। ऐसे में सवाल उठता है कि करोड़ों के तबादला उद्योग के सामने आने के बाद भी आखिर जितिन प्रसाद को अभी तक मंत्रिमंडल से क्यों नहीं हटाया गया? विपक्षी दल मंत्री को लेकर प्रदेश सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि बिना मंत्री के इशारे के व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार नहीं हो सकता है लेकिन सरकार केवल छोटे अफसरों पर कार्रवाई कर खामोश हो गयी है। मंत्री को बचाने की कोशिश की जा रही है। विपक्ष ने सरकार से मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की है।

पीडब्ल्यूडी में बड़े पैमाने पर हुए तबादलों में भ्रष्टाचार का मुद्दा लगातार गरमाता जा रहा है। विपक्षी दल पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद समेत प्रदेश सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। वे भ्रष्टाचार को लेकर मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। हालांकि प्रदेश सरकार ने अपने स्तर से पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही थी लेकिन शिकंजा केवल छोटी मछलियों पर कसा जा रहा है, बड़ी मछलियों पर हाथ नहीं डाला जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का दावा करने वाली योगी सरकार विभागीय मंत्री को मंत्रिमंडल से हटा क्यों नहीं रही है? पिछले दिनों पीडब्ल्यूडी में बड़े स्तर पर तबादले हुए थे। इनमें जमकर धांधली की गयी। मामला सुर्खियों में आने के बाद सरकार नींद से जागी और मामले की जांच के लिए कमेटी बनायी। जांच कमेटी में प्रथमदृष्टया भ्रष्टाचार का मामला सामने आया था। इस पर सीएम योगी ने पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद के ओएसडी को न केवल हटाया बल्कि उनके खिलाफ विजिलेंस जांच की सिफारिश भी की। इसके अलावा विभागाध्यक्ष समेत पांच अफसरों को निलंबित कर उनके खिलाफ जांच बैठा दी। जांच की आंच जितिन प्रसाद तक पहुंचने की सुगबुगाहट थी लेकिन योगी सरकार मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने के मूड में नहीं दिख रही है। इस पूरे मामले पर जितिन प्रसाद चुप्पी साधे हुए हैं। मंत्री का सारा काम ओएसडी अनिल कुमार पांडेय ही संभालते थे और विभागीय फाइलें उनके माध्यम से मंत्री के पास जाती थीं। दिल्ली में अवर सचिव रहे अनिल कुमार पांडेय को जितिन प्रसाद की सिफारिश पर ही उत्तर प्रदेश में प्रतिनियुक्ति पर तैनाती दी गई थी। जितिन प्रसाद जब केंद्र में यूपीए सरकार के दौरान मंत्री थे तब भी अनिल कुमार पांडेय उनके कार्यालयों में तैनात थे। यूपी में दोबारा भाजपा सरकार बनने पर जितिन को लोक निर्माण विभाग का मंत्री बनाया गया था और तभी अनिल ने यहां आने के लिए आवेदन किया था और जितिन की सिफारिश पर उन्हें यूपी लाया गया था।

साबित हो गया कि ओएसडी अनिल कुमार पांडेय को हर विभाग में साथ ले जाते थे मंत्री बनने के बाद जितिन

» यूपी में पीडब्ल्यूडी के तबादला उद्योग में तीन सौ करोड़ की वसूली की चर्चा

» सिर्फ ओएसडी पर कार्रवाई मगर बड़े अफसर बच गए

इस तरह हुआ खेल

अभियंताओं के ट्रांसफर में एक के बाद एक मनमानी सामने आयी है। 10 वर्षों से अधिक समय से जमे इंजीनियरों को छोड़ दिया गया जबकि कुछ महीने पहले ही तैनाती पाए इंजीनियरों को दूसरी जगह भेज दिया गया। मुख्यालय से संबद्धता में भी खेल सामने आया है। समूह क और ख के अफसरों के 59 ऐसे स्थानांतरण कर दिए गए, जिसमें नियमानुसार मुख्यमंत्री और मंत्री का अनुमोदन लिया जाना आवश्यक था। जांच में सामने आया है कि अधिशासी अभियंता या उससे ऊपर के स्तर के 26 अधिकारी ऐसे हैं जो 3 वर्ष की अवधि से अधिक समय से एक ही जगह पर थे पर उनका स्थानांतरण नहीं किया गया। ऐसा करने के पीछे की वजह भी नहीं बताई गई। इनमें से 12 अभियंता तो ऐसे हैं जो 10 वर्ष से अधिक समय से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। दूसरी ओर 31 अधिशासी अभियंता ऐसे हैं जिनकी तैनाती को एक माह से लेकर 22 माह की अल्प अवधि ही पूरी हुई थी कि उन्हें दूसरी जगह भेज दिया गया। इसके पीछे किसी प्रशासनिक कारण या शिकायत आदि का जिक्र भी संबंधित पत्रावली में नहीं किया गया। देखने में यह भी आया कि बड़ी संख्या में अधिकारियों को मुख्यालय से संबद्ध करने के आदेश दिए गए जबकि कई अधिशासी अभियंता अभी भी दो-दो खंडों का काम देख रहे हैं।

“भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है। भाजपा सरकारी कामकाज में पारदर्शिता की बात करती है लेकिन सरकार बताए कि कहां पारदर्शिता बरती गई। पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। छोटी मछलियों के साथ बड़ी मछलियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद के साथ मुख्यमंत्री से भी इस्तीफे की मांग करती है।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

“तबादलों में गड़बड़ी को लेकर सरकार उच्च स्तरीय जांच कराए। छोटों के साथ बड़े लोगों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। जो भी घोटाले में लिप्त हैं वह चाहे कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय प्रवक्ता, रालोद

“तबादलों में करोड़ों के भ्रष्टाचार का खुलासा होने के बाद सरकार पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को तत्काल मंत्री पद से हटाए। ओएसडी पर जिस तरह कार्रवाई की गई है उससे मंत्री की भूमिका भी संदिग्ध दिख रही है। सत्ता संरक्षित अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का दावा करने वाले मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उनके कार्यकाल में बड़े स्तर पर विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार हो रहे हैं।

अमिताभ बाजपेई, सपा विधायक व मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

मंत्री कार्यालय से हुए बड़े पैमाने पर संशोधन

कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह की कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट में कहा है कि विभागाध्यक्ष और अनुभाग की ओर से प्रस्तुत स्थानांतरण प्रस्ताव पर बड़े पैमाने पर पीडब्ल्यूडी मंत्री कार्यालय में संशोधन व परिवर्तन किए गए। यह उनके

» लिखित अनुरोध के बाद भी नहीं दी सीएम को जानकारी

अधिकार क्षेत्र में पूरी तरह से आता है। साथ ही यह भी दिखाता है कि मंत्री के कार्यालय के स्तर से स्थानांतरण के मामले में विस्तृत विश्लेषण किया गया था। पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव ने सेतु निगम के प्रबंध निदेशक की पोस्टिंग के विषय को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाने का लिखित में अनुरोध किया था लेकिन पीडब्ल्यूडी मंत्री ने यह निर्णय लिया कि यह आदेश उनके स्तर से ही जारी होना चाहिए। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि यह प्रकरण मुख्यमंत्री के आदेश के लिए प्रस्तुत किया जाना चाहिए था।

आपत्ति के बाद भी उसी मंडल में दी तैनाती

गोपनीय उच्चस्तरीय रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 जून को सेवानिवृत्त हुए प्रमुख अभियंता (ग्रामीण सड़क) अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने प्रांतीय खंड गोरखपुर में तैनात अवर अभियंता गौरव श्रीवास्तव की तैनाती उसी मंडल में कर दी जिसमें उनके 7 साल पूरे हो चुके थे। ऐसा तब किया गया जब शासन ने पूर्व में इस प्रस्ताव पर आपत्ति उठाई थी।

बैक डेट के जरिए की गई धांधली

जांच में यह भी सामने आया है कि 30 जून को सेवानिवृत्त हुए अधीक्षण अभियंता (अधिष्ठान) अनिल कुमार श्रीवास्तव ने सहायक अभियंताओं के स्थानांतरण व तैनाती बैक डेट में की। ये बैक डेटिंग 2 जुलाई से लेकर 5 जुलाई तक की अवधि में की गई। यहां तक कि मुख्यालय का डिस्पैच रजिस्टर भी बैकडेटिंग की ओर इशारा करते हुए मिला है।

यूपी बीजेपी को जल्द मिलेगा नया प्रदेश अध्यक्ष!

» जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह केंद्रीय नेतृत्व को सौंप आए हैं अपना इस्तीफा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष की प्रतीक्षा के बीच ही वर्तमान अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह के इस्तीफे की खबर वायरल हो गई। कहा जा रहा है कि वह अपने पद से त्याग-पत्र गुपचुप तरीके से केंद्रीय नेतृत्व को सौंप आए हैं। चूंकि भाजपा में यूं अध्यक्ष द्वारा अपनी ओर से त्याग-पत्र दिए जाने की व्यवस्था नहीं है, इसलिए इस खबर ने तूल पकड़ लिया। दूसरी वजह यह भी कि योगी सरकार में स्वतंत्रदेव जलशक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री हैं और उन्हीं के विभाग के राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने भी पिछले दिनों त्याग-पत्र की पेशकश कर सनसनी फैलाई थी।

संगठन में वर्षों तक पसीना बहाने का इनाम पार्टी ने स्वतंत्रदेव सिंह को जुलाई 2019 में प्रदेश अध्यक्ष बनाकर दिया। उनके नेतृत्व में पार्टी ने नगर निकाय, एमएलसी चुनाव सहित विधानसभा चुनाव-2022 में शानदार जीत दर्ज की। इसी का फल देते हुए उन्हें योगी सरकार 2.0 में जलशक्ति विभाग का कैबिनेट मंत्री बना दिया गया। चूंकि भाजपा में एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत है, इसलिए स्वतंत्रदेव को मंत्री बनाए जाने के बाद ही तय हो गया था कि अब प्रदेश अध्यक्ष का जिम्मा किसी और को सौंपा जाएगा। इस बीच उनका उपलब्धियों भरा तीन वर्ष का कार्यकाल भी 19 जुलाई को पूरा हो गया। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष दोहरी जिम्मेदारी के साथ काम कर रहे हैं। इधर, पार्टी में नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर मंथन भी लगातार चल रहा है। वहीं बुधवार को इंटरनेट मीडिया पर यह सूचना वायरल हो गई कि स्वतंत्रदेव सिंह ने दिल्ली जाकर गुपचुप तरीके से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को प्रदेश अध्यक्ष पद से त्याग-पत्र सौंप दिया है। उनके इस्तीफे को लेकर अलग-अलग चर्चा शुरू हो गई। कुछ लोगों ने इसे हाल ही में जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक द्वारा इस्तीफा देने और फिर पार्टी नेतृत्व के दखल पर वापस लिए जाने के घटनाक्रम से भी जोड़ दिया। हालांकि यह निराधार इसलिए माना जा रहा है। क्योंकि त्याग-पत्र प्रदेश अध्यक्ष पद से दिए जाने की बात है, जलशक्ति मंत्री के पद से नहीं।

अध्यक्ष पद के कई दावेदार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में कई नामों की चर्चा है। इनमें सवर्ण वर्ग से पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, कन्नौज सांसद सुब्रत पाठक, नोएडा सांसद डॉ. महेश शर्मा और अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम के नाम हैं। पिछड़ों में सांसद बीएल वर्मा और पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र चौधरी के अलावा तेजी से उपमुख्यमंत्री व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य का नाम चर्चा में आया है। दलित वर्ग से सांसद डा. रामशंकर कठेरिया, विद्यासागर सोनकर और लक्ष्मण आचार्य दौड़ में बताए जा रहे हैं।

शिक्षकों का जिले के अंदर ऑनलाइन होगा ट्रांसफर और समायोजन

» दो वर्ष से कम सेवा पर शिक्षकों का तबादला नहीं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

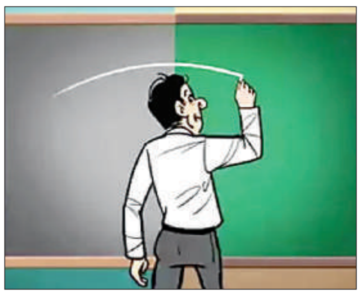

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय अध्यापकों का जिले के अंदर स्थानांतरण व समायोजन आनलाइन होगा। निशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 के मानक और 30 अप्रैल 2022 की छात्र संख्या के आधार पर विद्यालयों में सरप्लस शिक्षक चिन्हित होंगे, उन्हें कम शिक्षक वाले स्कूलों में भेजा जाएगा। इनमें शिक्षक विहीन, एकल व ऐसे विद्यालय जहां दो से अधिक शिक्षक कार्यरत हैं लेकिन, आरटीई के अनुसार पद खाली हैं में प्राथमिकता के आधार पर शिक्षक तैनात किए जाएंगे।

प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा दीपक कुमार की ओर से जारी शासनादेश में निर्देश है कि बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के स्थानांतरण की कार्यवाही ग्रामीण क्षेत्र से ग्रामीण और नगर से नगर संवर्ग में ही होगी। किसी भी आवश्यकता वाले स्कूल से शिक्षकों का स्थानांतरण या समायोजन नहीं होगा। अधिक अध्यापक वाले व शिक्षकों की जरूरत वाले विद्यालयों को चिन्हित करके वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा और सबसे पहले सरप्लस शिक्षकों से 25 विद्यालयों का विकल्प लेकर तबादला किया जाएगा। जरूरत वाले ऐसे विद्यालय जहां के लिए एक ही आवेदन मिला है का स्थानांतरण होगा। स्वेच्छा से एक से अधिक आवेदन मिलने पर शिक्षकों की वरिष्ठता व भारांक के आधार पर तबादले होंगे। भारांक समान होने पर नियुक्ति तारीख में वरिष्ठ और नियुक्ति समान होने पर आयु देखी जाएगी। स्थानांतरण, समायोजन में किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर बेसिक शिक्षा अधिकारी पूरी तरह से उत्तरदायी होंगे। ये तबादले करीब एक दशक बाद हो रहे हैं। 2015-16 में कुछ जिलों में तबादले हुए थे। निर्देश है कि ऐसे अध्यापक या अध्यापिका जिनकी सेवा अवधि आनलाइन आवेदन करने की अंतिम तारीख को दो वर्ष से कम होगी तो उन्हें समायोजन प्रक्रिया से अलग रखा जाएगा। आनलाइन पोर्टल पर ऐसे शिक्षक स्वेच्छा से आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिले के अंदर समायोजन व स्थानांतरण के लिए 10 दिन में एनआइसी के माध्यम से पोर्टल खोला जाएगा। शिक्षकों की कार्यरत विकासखंड में रिक्ति न होने पर अन्य विकासखंड में भेजे जाएंगे।

तीन तलाक कानून का मिस यूज कर रहे लोग : हसन

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। लोकसभा में हिमाचल प्रदेश और नागालैंड के लिए परिवार न्यायालय (संशोधन) विधेयक 2022 पारित हो गया। मुरादाबाद के सपा सांसद डा. एसटी हसन को इस मामले में संसद में अपनी बात रखने का मौका मिला। सांसद ने कहा कि हम बिल के साथ हैं। लेकिन परिवारों से संबंधित और भी बहुत मसले हैं। इंसान जब से दुनिया में आया है। प्यार मोहब्बत के किस्से तभी से सुनने मिलते रहे हैं।

लैला-मंजनू, हीर-रांझा के प्यार की बातें आज भी हर जुबान पर रहती है। लेकिन हम 21वीं सदी में आ गए हैं। दो अलग-अलग धर्मों के लोग आपस में शादी कर लें तो आफत आ जाती है। आनर किलिंग तक हो रहे हैं। लव जेहाद के नाम पर हंगामा खड़ा हो रहा है। महिला खुद अपने पति को चुनती है तो ऐसा क्यों होता है। उन्होंने कहा कि हमारा मजहब लिव इन रिलेशनशिप को इजाजत नहीं देता। इसलिए हम इसका विरोध करते है। साथ रहने के लिए सही तरीका निकाह करना है। सांसद ने तीन तलाक के कानून के भी मिस यूज होने की बात कही। उन्होंने कहा कि तीन तलाक कानून के रोजाना हजारों मुकदमे फर्जी लिखे जा रहे हैं।

इस्तीफा देकर खलबली मचाने वाले राज्यमंत्री खटीक काम पर लौटे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को संबोधित इस्तीफा देकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा देने वाले जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक काम पर लौट आए हैं। विभाग में हाल ही में हुए तबादलों में अवैध वसूली, नमामि गंगे योजना में भ्रष्टाचार, अफसरों द्वारा बात न सुनने और दलित मंत्री होने की वजह से भेदभाव जैसे गंभीर आरोप लगाकर उन्होंने प्रदेश की राजनीति में खलबली मचा दी।

राज्यमंत्री दिनेश खटीक के उठाए गए विभाग में भ्रष्टाचार व अफसरों द्वारा मंत्री की अनदेखी के मुद्दे को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद गंभीरता से लिया था। सीएम योगी ने दिनेश खटीक की एक-एक बात बंद कमरे में सुनी थी। उन्होंने हर आरोप की जांच का आश्वासन देने के साथ उनका त्याग-पत्र अस्वीकार कर दिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले आश्वासन के बाद राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने कामकाज संभाल लिया। वह कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और राज्यमंत्री रामकेश निषाद के साथ सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। इस दौरान राज्य में कम बारिश वाले जिलों में फसलों को लेकर तैयारियों की समीक्षा की। बता दें कि जलशक्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए राज्यमंत्री खटीक के त्याग पत्र की चर्चा 19 जुलाई की शाम से ही शुरू हो गई थी और फिर 20 जुलाई को उनके द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भेजा गया त्याग-पत्र भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद वह दिल्ली पहुंच गए और जेपी नड्डा से भेंट कर पूरा मामला बताया। दिल्ली से मामले में हस्तक्षेप के बाद दिनेश खटीक मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर पहुंचे। उन्होंने अपनी बात रख दी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी अपने अधिकारियों को काम करने की दें ट्रेनिंग : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के पुलिस प्रमुख सचिव गृह व पुलिस महानिदेशक को अधिकारियों को अपने कर्तव्य का पालन करने का प्रशिक्षण देने के कदम उठाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जिस पुलिस पर नागरिकों के जीवन व उसके संपत्ति की रक्षा का दायित्व है। वही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी अपने कर्तव्य का पालन न कर मनमानी व अवैध कार्रवाई कर रहे हैं।

कोर्ट ने जिलाधिकारी बलिया व एसडीएम रसड़ा से आदेश के अनुपालन का हलफनामा मांगा है और जबरन ढहाए गये मकान की नवैयत में बदलाव न करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने विवादित संपत्ति पर किसी भी प्रकार के निर्माण पर रोक लगा दी है। याचिका की अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने मोहम्मद सईद की द्वितीय अपील की सुनवाई करते हुए दिया है। मामले में अपीलार्थी को मकान से बेदखल करने का सिविल वाद लंबित था। बिना कोर्ट आदेश के एसडीएम रसड़ा, जिला बलिया ने कोतवाली पुलिस को मकान खाली कराकर ध्वस्तीकरण का आदेश दिया, जिस पर कोर्ट ने विपक्षी से जानकारी मांगी है। पुलिस की भूमिका पर कोर्ट ने अपने 12 जुलाई 22 के आदेश से अधिकारियों से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा था।

लोक सभा चुनाव : सपा को झटका देने की तैयारी में भाजपा, मुस्लिम-यादव वोटर्स पर है नजर

» 2024 में बड़ी जीत का तय किया लक्ष्य, तेज किया हर बूथ को मजबूत करने का अभियान

» राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पसमांदा मुस्लिमों की जिक्र कर पीएम ने दिया था संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में दूसरी बार प्रचंड बहुमत से प्रदेश की सत्ता में लौटी भाजपा अब लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। प्रदेश में अब भाजपा नेतृत्व सपा को झटका देने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने प्रदेश में एक खास रणनीति के तहत सपा के कोर वोटर्स को अपनी तरफ खींचने की तैयारी कर रही है। उसने न सिर्फ यादव बल्कि मुसलमानों में भी अपनी पैठ बनाने के लिए पसमांदा मुस्लिम कार्ड खेला है।

प्रदेश में लोक सभा उपचुनावों में सपा के गढ़ आजमगढ़ और रामपुर में मिली जीत के बाद भाजपा 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए मिशन मोड में जुट गई है। भाजपा 2024 में बड़ी जीत दर्ज करने का लक्ष्य तय किया है। सपा के गढ़ में सेंधमारी करने के बाद भाजपा की नजर सपा के कोर वोटरों यादव और मुस्लिम पर है। 2017 में भाजपा ने अति पिछड़ों और अति दलित समुदाय को एक साथ, एक छतरी के नीचे लाकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। पिछड़ी जातियों में यादवों की संख्या सबसे ज्यादा 9-10 फीसदी है। गौरतलब है कि सपा एम-वाई समीकरण की बदौलत ही तीन बार सत्ता में आ चुकी है। 2022 के विधान सभा चुनावों में मुसलमानों ने रिकॉर्ड सर्वाधिक 90 फीसदी के करीब सपा को वोट किया था। ऐसे में भाजपा की रणनीति सपा के कोर वोटर में सेंधमारी करने की है जिसकी शुरुआत भाजपा ने हैदराबाद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से कर दी है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछड़े मुसलमानों खासतौर पर पसमांदा मुसलमानों के जीवन स्तर को सुधारने की बात की थी। लिहाजा भाजपा की नजर पसमांदा मुस्लिमों पर है।

राजभर भी पहुंचाएंगे सपा को नुकसान

विधान सभा चुनाव के साथी रहे ओम प्रकाश राजभर के बयान अखिलेश यादव को वैसे ही सियासी नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनके बीच हुए सियासी तलाक के बाद तल्खियां और बढ़ गई हैं। ओमप्रकाश राजभर को केंद्र सरकार ने वाई कैटगरी की सुरक्षा भी प्रदान कर दी है। ऐसे में माना जा रहा है कि 2024 में वो भाजपा के बगलगीर हो सकते हैं। हालांकि उनके बड़बोलेपन के चलते भाजपा के कई नेता सीधे तौर पर राजभर के साथ गठबंधन से दूरी ही बनाए रखने के पक्ष में हैं।

38 विधानसभा सीटें यादव बाहुल

उत्तर प्रदेश की 38 विधान सभा सीटें यादव बाहुल मानी जाती हैं। इसमें एटा, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, फर्रूखाबाद और कानपुर देहात जिलों की अधिकतर सीटें शामिल हैं।

गठबंधन में कलह का फायदा उठाने की तैयारी

हरमोहन सिंह यादव बिरादरी के बड़े नेता थे। लंबे समय तक अखिल भारतीय यादव महासभा के अध्यक्ष भी रहे थे, उनके बेटे सुखराम सिंह यादव अभी उपाध्यक्ष हैं। हरमोहन सिंह यादव के बेटे सुखराम यादव पहले ही अखिलेश के सियासी तौर तरीकों पर उंगली उठा चुके हैं। समाजवादी गठबंधन में चल रही उठापटक और पारिवारिक कलह का सीधा फायदा भाजपा को ही मिलेगा, जिसकी एक बानगी राष्ट्रपति चुनावों के दौरान विधायकों की क्रास वोटिंग के जरिए देखने को मिल चुकी है।

यादव वोट बैंक में पैठ बनाने की कोशिश

भाजपा के यादव वोट बैंक में सेंधमारी की। 25 जुलाई को भाजपा ने समाजवादी नेता और यादव बिरादरी के कद्दावर नेता रहे हरमोहन सिंह यादव की 10वीं पुण्यतिथि के जरिए यादव वोट बैंक में पैठ बनाने की कोशिश शुरू कर दी है। हर साल इस मौके पर सपाइयों की भीड़ कानपुर में रहती थी मगर इस बार सारा माहौल भगवामय था। प्रधानमंत्री व्यस्तता के चलते कानपुर नहीं आ पाए मगर इस कार्यक्रम की अहमियत उन्हें पता थी इसलिए वो वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़े और अपनी बात रखी। इस मौके पर 12 राज्यों से यादव महासभा के नेता पूरे कार्यक्रम से जुड़े थे। प्रधानमंत्री ने हरमोहन यादव की जमकर तारीफ की जबकि समाजवादी पार्टी ने इस बार कोई भी कार्यक्रम नहीं किया। हरमोहन सिंह यादव, मुलायम सिंह यादव के पुराने सियासी साथी रहे हैं। हरमोहन सिंह यादव ने 1984 के सिख दंगों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हिंसा को रोकने के उनके योगदान के चलते ही उन्हें 1991 में शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था। 18 अक्टूबर 1921 को कानपुर के मेहरबान सिंह के पुरवा में जन्मे हरमोहन सिंह यादव ने अपना राजनीतिक जीवन ग्रामसभा से शुरू किया था फिर प्रधान बने, विधान परिषद के सदस्य और राज्यसभा के सांसद भी रहे थे। उत्तर प्रदेश में कानपुर से लेकर इटावा, कन्नौज, फर्रूखाबाद, फिरोजाबाद आगरा तक एक समय चौधरी हरमोहन सिंह का यादव वोट बैंक पर दबदबा रहा था लेकिन पिछले कुछ वक्त से सपा का किला दरकता नजर आ रहा है।

अब हर हाथ को काम देगी योगी सरकार

ओडीओपी की तर्ज पर ओटीओपी योजना लाने की तैयारी

» ओटीओपी से तहसील तक पहुंचेगा रोजगार और कारोबार

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। जिस तरह से प्रदेश के लगभग सभी जिलों का कोई न कोई विशेष उत्पाद है, उसी तरह अधिकांश तहसीलें भी विशिष्ट उत्पाद के लिए जानी जाती हैं। चाहे घोसी तहसील के गोठा कस्बे का गुड़ हो या हरदोई के संडीला का लड्डू। इसे देखते हुए योगी सरकार एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) की तर्ज पर एक तहसील, एक उत्पाद (ओटीओपी) योजना भी शुरू करने जा रही है। इसके जरिए सरकार की मंशा प्रत्येक तहसील तक रोजगार और कारोबार पहुंचाने की है। ओडीओपी योजना से लाखों लोग लाभान्वित हुए हैं। इसे देखते हुए ओटीओपी योजना पर सरकार विचार कर रही है। सरकार जल्द ही इस योजना को अमलीजामा पहनाएंगी।

ओडीओपी की सफलता से उत्साहित योगी सरकार अब एक तहसील, एक उत्पाद योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है। सरकार का मानना है कि ओडीओपी की तर्ज पर यदि तहसीलों के इन उत्पादों की पैकेजिंग, डिजाइनिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, जरूरत के अनुसार पूंजी की उपलब्धता और इनसे जुड़े लोगों के कौशल को निखारने के लिए प्रशिक्षण आदि की सुविधाएं दी जाएं तो इनकी भी संभावनाएं ओडीओपी की तरह ही बढ़ जाएंगी। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने अपने पहले कार्यकाल में 24 जनवरी 2018 को उत्तर प्रदेश के पहले स्थापना दिवस को शुरुआत करते हुए ओडीओपी योजना लांच की थी। योजना के तहत चिन्हित उत्पादों को कीमत एवं गुणवत्ता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इनसे जुड़े लोगों के कौशल विकास, उत्पादों की डिजाइन एवं पैकेजिंग, पूंजी की उपलब्धता में सहयोग किया गया। उसके बेहतर परिणाम सामने आए। एमएसएमई का निर्यात में जो वृद्धि हुई, उसमें सबसे बड़ा योगदान ओडीओपी का ही रहा।

ओडीओपी योजना का भी होगा विस्तार

सूत्र बताते हैं कि समय के साथ इन उत्पादों के जरिए ब्रांड यूपी देश-दुनिया में और मजबूत होगा। एक तरीके से यह ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पाद) का ही विस्तार होगा। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार एमएसएमई विभाग इस दिशा में काम करने जा रहा है। पहले चरण में जिले के स्थानीय प्रशासन से मिलकर तहसीलवार ऐसे उत्पादों की सूची तैयार की जाएगी। किसी विशेषज्ञ संस्था के सहयोग से इनकी संभावनाओं को विस्तार देने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने की कार्ययोजना बनवाई जाएगी।

ओटीओपी यानी एक तहसील, एक उत्पाद योजना

एमएसएमई विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री चाहते हैं कि ओडीओपी की तर्ज पर ओटीओपी यानी एक तहसील, एक उत्पाद योजना भी शुरू की जाए। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार एमएसएमई विभाग इस बाबत काम करने जा रहा है। पहले चरण में जिले के स्थानीय प्रशासन से मिलकर तहसीलवार ऐसे उत्पादों की सूची तैयार करेगा। किसी विशेषज्ञ संस्था के सहयोग से इनकी संभावनाओं और इन संभावनाओं को विस्तार देने के लिए जमीनी स्तर पर क्या किया जाना है, इसका पता करेगा।

एमएसएमई विभाग और कू एप ने मिलाया हाथ एक जिला-एक उत्पाद को मिलेगा बढ़ावा

उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई विभाग और माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू एप के बीच एक एमओयू साइन हुआ है। इस एमओयू से प्रदेश के एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल को बढ़ावा मिलेगा। 27 जुलाई को उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम और निर्यात संवर्धन के अतिरिक्त मुख्य सचिव नवनीत सहगल और कू एप के को-फाउंडर अप्रमेय राधाकृष्ण ने इस एमओयू पर साइन किया है। एमएसएमई विभाग के मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने एमओयू साइन करने के दौरान कहा कि कू एप के साथ यह जुड़ाव हमारे ओडीओपी प्रोडक्ट को बड़े दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करेगा और कई क्षेत्रीय भाषाओं में ओडीओपी से जुड़ी बातचीत को बढ़ावा मिलेगा। एमओयू के तहत कू एप, ओडीओपी प्रोडक्ट को बढ़ावा देने और इससे जुड़ी डिटेल को प्रमोट करने के लिए 10 भाषाओं में मौजूद अपने प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करेगा। इसके अलावा यह एप ओडीओपी प्रोडक्ट को कॉरपोरेट गिफ्टिंग के लिए भी खरीदेगा। यह एमओयू यूपी-ओडीओपी के डेवलपमेंट प्रोग्राम, योजनाओं की पहुंच और कम्युनिकेशन को भी बढ़ाएगा। यह एप गैर-अंग्रेजी भाषी लोगों के साथ-साथ स्थानीय कारीगरों को ग्राहकों के बड़े वर्ग तक पहुंचाने और देशभर में अपना बिजनेस बढ़ाने में भी मदद करेगा।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मंकी पॉक्स की दस्तक खतरे की घंटी

"विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकी पॉक्स को ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है। यह वायरस दुनिया के अस्सी देशों में फैल चुका है। मंकी पॉक्स, स्मॉल पॉक्स परिवार के वायरस का हिस्सा है। यह मरीज के घाव से निकलकर आंख, नाक और मुंह के द्वारा शरीर में प्रवेश करता है। इसके अलावा बंदर, चूहे, गिलहरी जैसे जानवरों के काटने या उनके खून और बॉडी फ्लुइड्स छूने से भी फैल सकता है।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच मंकी पॉक्स वायरस ने खतरे की घंटी बजा दी है। दुनिया के तमाम देशों के बाद अब इसने भारत में भी दस्तक दे दी है। देश में अब तक चार लोगों में वायरस की पुष्टि हुई है जबकि यूपी के गाजियाबाद में दो संदिग्ध मरीज मिले हैं। मरीजों के सैंपल जांच के लिए पुणे भेजे गए हैं। कोरोना काल में मंकी पॉक्स की दस्तक ने केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने इस वायरस को लेकर नयी गाइडलाइन जारी की है। सवाल यह है कि क्या कोरोना के बाद मंकी पॉक्स भारत के लिए नयी मुसीबत बनने जा रहा है? क्या संक्रमित के इलाज के लिए कोई ठोस रणनीति बनायी गई है? क्या एक बार फिर प्रतिबंधों का दौर शुरू होने वाला है? मंकी पॉक्स से बचाव के लिए क्या कोई टीका उपलब्ध है? लोगों को संक्रमित होने से बचाने के लिए क्या राज्य सरकारें गाइडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएगी? देश की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर पड़ेगा?

देश में एक ओर कोरोना फिर से रफ्तार पकड़ने लगा है वहीं मंकी पॉक्स ने लोगों को डरा दिया है। इस वायरस से केरल में तीन और दिल्ली में एक व्यक्ति के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। लिहाजा केंद्र सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसके मुताबिक मंकी पॉक्स के रोगियों और उनके संपर्क में आए लोगों को 21 दिन आइसोलेशन में रहना होगा। संक्रमितों को मास्क पहनना, हाथ धोना और घावों को ढककर रखना जरूरी है। मरीज पूरी तरह ठीक होने के बाद ही सामान्य जीवन में लौट सकता है। वहीं यूपी सरकार ने प्रभावित देशों से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग करने का आदेश जारी किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकी पॉक्स को ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है। यह वायरस दुनिया के अस्सी देशों में फैल चुका है। मंकी पॉक्स, स्मॉल पॉक्स परिवार के वायरस का हिस्सा है। यह मरीज के घाव से निकलकर आंख, नाक और मुंह के द्वारा शरीर में प्रवेश करता है। इसके अलावा बंदर, चूहे, गिलहरी जैसे जानवरों के काटने या उनके खून और बॉडी फ्लुइड्स छूने से भी फैल सकता है। चिंताजनक यह है कि मंकी पॉक्स के लिए कोई विशिष्ट टीका अभी तक बनाया नहीं गया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ के अनुसार चेचक का टीका मंकी पॉक्स के खिलाफ 85फीसदी प्रभावी है। अब जब भारत में वायरस ने दस्तक दे दी है तो लोगों को सावधानी बरतनी होगी। राज्य सरकारों को चाहिए कि वे हालात को बिगड़ने से पहले जारी गाइडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे। भले ही यह बीमारी घातक नहीं हो लेकिन संक्रमण के जरिए देश की चिकित्सा और व्यवस्था दोनों को चरमरा सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

जब देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पद की शपथ ले रही थीं, उसी के आसपास अखबारों में एक समाचार इस आशय का भी छपा था कि बस्तर में कार्यरत गांधीवादी कार्यकर्ता हिमांशु कुमार पर शीर्ष अदालत ने पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया। हिमांशु कुमार का अपराध यह था कि उन्होंने बस्तर के आदिवासी समुदाय के पक्ष में एक जनहित याचिका न्यायालय में दाखिल की थी। मामला लगभग तेरह साल पुराना था और सत्रह आदिवासियों के मारे जाने से संबंधित था। फैसले के पक्ष में न्यायालय के अपने तर्क हो सकते हैं, पर यह संयोग अपने आप में महत्वपूर्ण है कि जहां एक ओर आदिवासी राष्ट्रपति अपने पहले अभिभाषण में आदिवासियों के हितों की रक्षा की बात कर रही थीं, वहीं दूसरी ओर आदिवासियों के हित साधक को सजा मिली।

हिमांशु महात्मा गांधी के पुश्तैनी अनुयायी हैं। उनके पिता गांधीजी के आह्वान पर स्वतंत्रता-संग्राम के सिपाही बने थे और स्वतंत्र भारत में विनोबा भावे के भू-दान आंदोलन के कार्यकर्ता बने। हिमांशु भी अपने पिता के कदमों पर चल रहे हैं। बरसों से आदिवासी इलाकों में जन-जागृति के काम में लगे हैं। इसमें संदेह नहीं कि पिछले पचास-साठ सालों में देश के आदिवासी क्षेत्रों में उनके जीवन को बेहतर बनाने की कोशिशें हुई हैं। कुछ बदलाव आया भी है। पर यह कुछ बहुत कम है-इस दिशा में बहुत कुछ होना बाकी है इसीलिए द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने को आशा-भरी निगाहों से देखा जा रहा है। अपने पहले भाषण में ही आदिवासियों के जीवन में बदलाव लाने को अपनी प्राथमिकता बता कर उन्होंने इस बात का स्पष्ट संकेत दिया है कि वे इस दिशा में प्रयत्नशील रहेंगी। कहा जा रहा है कि उन्हें राष्ट्रपति बनवाकर भाजपा के नेतृत्व ने दोहरा दांव खेला है। द्रौपदी मुर्मू देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं, और इस सर्वोच्च पद पर पहुंचने वाली पहली आदिवासी महिला हैं। हो सकता है आगामी चुनाव में भाजपा को इसका राजनीतिक लाभ उठाने का मौका भी मिले।

देश में दस करोड़ से अधिक आबादी आदिवासियों की है और गुजरात, झारखंड, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में इनके वोट बहुत मायने रखते हैं। भाजपा यह दावा तो कर ही सकती है कि उसने एक आदिवासी महिला को देश का सर्वोच्च पद दिलाया है। जब देश का संविधान बना था तो आदिवासी नेता जयपाल मुंडा ने नये संविधान को आदिवासियों के लिए छह हजार साल के उत्पीड़न के बाद एक अवसर बताया था। इस अवसर का कितना लाभ मिला है, मुर्मू को इसके एक प्रतीक के रूप में देखे जाने की बात कही जा रही है। प्रतीकों का महत्व होता है, पर वे किसी उपलब्धि का वास्तविक पैमाना नहीं होते। यह एक हकीकत है कि आज़ादी के इन पचहत्तर सालों में देश के आदिवासियों के जीवन में उतना सुधार नहीं आ पाया जितना आना चाहिए था। नयी राष्ट्रपति ने कहा है कि उनका इस पद तक पहुंचना इस बात का एक उदाहरण हैं कि गरीबों को सपने देखने का भी हक है और उन्हें पूरा होते देखने का भी। उम्मीद की जानी चाहिए कि संविधान के संरक्षक के रूप में राष्ट्रपति की भूमिका निभाते हुए वे इन आश्वासनों को पूरा करने की दिशा में सार्थक पहल करने में सफल होंगी। एक आदिवासी महिला का राष्ट्रपति बनना अपने आप में देश के लिए एक शानदार उपलब्धि है। पर इस बात को भुलाया नहीं जाना चाहिए कि राजनीति के खिलाड़ी इस तरह की उपलब्धियों का राजनीतिक लाभ उठाने में पीछे नहीं रहते। मुर्मू की उम्मीदवारी के साथ ही भाजपा के नेताओं-प्रवक्ताओं ने इस बात का ढोल पीटना शुरू कर दिया था। निश्चित रूप से चुनावों में भी इस बात को दोहराया जायेगा। मैं यहां इस बात को दोहराना चाहता हूं कि प्रतीक संकेत होते हैं, उपलब्धि नहीं। उपलब्धि तो वे तब बनते हैं, जब उनके निहितार्थ उजागर होकर सामने आते हैं, परिणाम दिखने लगते हैं।

वैसे, यह मान लेना भी अपने आप में सही नहीं है कि किसी जाति-विशेष या वर्ग-विशेष के व्यक्ति के सत्ता में आने से उस जाति-वर्ग का भला हो जायेगा। हां, ऐसी स्थिति में यह कार्य कुछ प्रमुखता अवश्य पा लेता है लेकिन कार्य तभी आगे बढ़ेगा जब शेष समाज इस कार्य की महत्ता को समझेगा। महत्ता को समझने का मतलब है किसी हिमांशु कुमार के कार्य को सही संदर्भों में पहचानना। पिछले 22 साल से हिमांशु-दंपति दंतेवाड़ा में एक वनवासी चेतना आश्रम चला रहे हैं। आज आवश्यकता आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ने की भी है और यह कार्य उनके परम्परागत जीवन की रक्षा करते हुए भी होना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि नयी राष्ट्रपति इस दिशा में मार्गदर्शन करेंगी।

बेअसर होते अमेरिकी प्रतिबंध

अश्विनी महाजन

रूस-यूक्रेन युद्ध का दुष्परिणाम आज पूरी दुनिया भुगत रही है। युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक समस्याओं से निजात निकट भविष्य में नहीं दिखता। तेल की बढ़ती कीमतें, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, खाद्यान्न की कमी, आर्थिक विकास में गिरावट और बढ़ती कीमतों ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये गये। उनका मानना था कि इससे रूसी अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जायेगी लेकिन रूसी अर्थव्यवस्था तो ध्वस्त नहीं हुई, बल्कि प्रतिबंधों का खासा असर पश्चिम के देशों पर जरूर देखने को मिल रहा है। दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति में रूस का दबदबा है। अमेरिका और यूरोप के देशों ने रूस को अपनी भुगतान प्रणाली 'स्विफ्ट' से प्रतिबंधित कर दिया लेकिन रूस की रणनीति ने अमेरिका की अपेक्षाओं पर पानी फेर दिया। आज अमेरिका और यूरोपीय देश भारी आर्थिक संकट में घिरते दिख रहे हैं।

एक तरफ रूस ने अपने तेल की आपूर्ति भारत को सस्ते दामों पर और रुपये में करना शुरू कर दिया और भारत ने रुस से तेल आयात 50 गुना बढ़ा दिया दूसरी तरफ उसे यूरोपीय देशों से तेल भुगतानों में कोई बाधा नहीं आयी। यूरोपीय देश रूस से सस्ते तेल पर निर्भर हो रहे थे उन्होंने स्वयं के प्रतिबंधों को ही दरकिनार करते हुए रूस से तेल खरीदना जारी रखा। इससे रूस पर प्रतिबंधों का न्यूनतम असर हुआ। वहीं, रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने इन मुल्कों को तेल की आपूर्ति कम करने का निर्णय ले लिया। रूस की रणनीति के चलते जर्मनी भी तेल की कमी की चपेट में आ गया। इससे जर्मनी में बिजली उत्पादन पर असर पड़ा है। यूरोप के अन्य देश भी आज गैस और कच्चे तेल की आपूर्ति की बाधाओं के चलते संकट में हैं। जर्मनी की सरकार कह रही है कि यह यूरोप पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन का आर्थिक आक्रमण है। पुतिन की यह रणनीति है कि यूरोप में कीमतें बढ़ाई जाएं। ऊर्जा असुरक्षा हो और यूरोप के देशों में फूट पड़े।

आज जब अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा रूस के खिलाफ यूक्रेन को आर्थिक और सुरक्षा मदद दी जा रही है और संयुक्त रूप से उनके द्वारा आर्थिक प्रतिबंधों को अंजाम दिया जा रहा है। ऐसे में रूस की कार्रवाई एक स्वाभाविक प्रतिकार के रूप से समझी जा सकती है। यूरोप को नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने स्वयं रूस को वैश्विक वित्तीय नेटवर्क से अलग करने, रूसी उत्पादों पर भारी टैक्स लगाने के साथ रूसी सामानों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगा कर, तेल निर्यातों की श्रृंखला को ध्वस्त करने, रूस के बैंकों, वित्तीय संस्थानों, व्यवसायों और सरकारी उद्यमों पर आक्रमण किया है। ऐसे में वे देश रूसी राष्ट्रपति से कोई सहयोग और सहायता की अपेक्षा कैसे कर सकते हैं? अमेरिका और यूरोप के सभी अनुमान फेल हो गये हैं और पुतिन के प्रतिशोध की आंच को अब वे सह नहीं पा रहे हैं। शायद अमेरिका और यूरोप को यह लगा था कि पूरी दुनिया रूस के खिलाफ खड़ी हो जायेगी और वे पुतिन को सबक सिखाने के अपने मकसद में कामयाब हो जायेंगे लेकिन उनके सभी अनुमान गलत सिद्ध हुए और अमेरिका और यूरोप की कार्रवाई का असर यह हुआ कि आज पूरी दुनिया महंगाई, खाद्य संकट, ऊर्जा संकट और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से त्रस्त है। उसमें अमेरिका और यूरोप भी शामिल हैं।

भारत समेत दुनिया के मुल्क यह मानते हैं कि दुनिया में शांति पुनः स्थापित होनी चाहिए, रूस को अब इस युद्ध को बंद करना चाहिए। उनकी संवेदनाएं यूक्रेन के लोगों के साथ है, लेकिन दुनिया के देश अमेरिका और यूरोप के देशों द्वारा लगाये जा रहे आर्थिक प्रतिबंधों से भी सशंकित हैं। इससे पहले भी जब भारत ने 1998 में पोखरण में परमाणु विस्फोट किया था, तब भी अमेरिका ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये थे। उसके बाद भी किसी भी छोटी-बड़ी बात पर अमेरिका भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की धमकी देता रहा है। इसके अलावा अमेरिका ने ईरान, वेनेजुएला समेत कई मुल्कों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये हैं, जिससे इन देशों के आर्थिक संकट और गहरा गये हैं। इन सब कारणों से अमेरिका और यूरोप के साथ शेष दुनिया की कोई सहानुभूति नहीं है। ऐसे में अमेरिका और यूरोप का यह समझना कि उन्हें दुनिया का साथ मिलेगा, कोई समझदारी की बात नहीं है। आज रूस पर लगाये गये आर्थिक प्रतिबंध अमेरिका और यूरोप समेत समस्त दुनिया को प्रभावित करने लगे हैं। रूस पर इन प्रतिबंधों का प्रभाव पड़ता दिखाई नहीं दे रहा। दुनिया के अन्य देशों द्वारा भी इन्हें वापस लेने की मांग जोर पकड़ रही है। ब्राजील के राष्ट्रपति जैर बोल्सोनरो ने कहा है कि रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध कारगर सिद्ध नहीं हो रहे और ब्राजील ने अपने हितों को देखते हुए रूस के साथ अपने आर्थिक संबंधों को और प्रगाढ़ करते हुए उससे उर्वरकों की खरीद प्रारंभ कर दी है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी अमेरिका से आर्थिक प्रतिबंधों को वापस लेने की गुहार लगायी है। उनका कहना है कि इन आर्थिक प्रतिबंधों के कारण आम आदमी पेट्रोलियम तेल और गैस, खाद्य पदार्थ, उर्वरक और अन्य वस्तुओं की महंगाई से त्रस्त है, इसलिए ये आर्थिक प्रतिबंध मानवाधिकारों की अवहेलना कर रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि अमेरिका व यूरोपीय देश वास्तविकता समझें और आर्थिक प्रतिबंधों की बजाय अन्य राजनयिक प्रयासों के माध्यम से समस्या का समाधान खोजें। भारत और रूस के रिश्तों की गरमाहट और उनकी आपसी समझ का उपयोग भी युद्ध की समाप्ति में किया जा सकता है।

सुखमय और शांतिमय जीवन की प्राप्ति का पर्व है

हरियाली तीज

सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज या श्रावणी तीज मनाई जाती है। इस साल हरियाली तीज 31 जुलाई दिन रविवार को रवि योग में मनाई जाएगी। इस दिन रवि योग बनने से आपको शुभ फल की प्राप्ति होगी और मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी। हरियाली तीज के दिन भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की पूजा करते हैं। इस दिन सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य, सुख दांपत्य जीवन और उत्तम संतान प्राप्ति के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। कन्याएं अपने मनचाहे वर की प्राप्ति की कामना से भी हरियाली तीज का व्रत रखती हैं। इस व्रत में हरे रंग का महत्व होता है। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं हरियाली तीज के मुहूर्त, शिव-पार्वती पूजा और हरे रंग का महत्व।

रवि योग तीज का महत्व

रवि योग अमंगल को दूर करके शुभ फल प्रदान करता है। इस योग में आप हरियाली तीज व्रत और पूजा करती हैं, तो आपकी मनोकामना पूर्ण होगी और उत्तम फल की प्राप्ति होगी।

हरियाली तीज का महत्व

1. हरियाली तीज का व्रत पति के दीर्घायु जीवन के लिए किया जाता है।
2. अविवाहित कन्याएं अपने मनपंसद जीवन सा?थी की प्राप्ति के लिए हरियाली तीज का व्रत रखती हैं। उनकी मनोकामना होती है कि जिस प्रकार से माता पार्वती ने भगवान शिव को अपने व्रत से प्राप्त किया, उसी प्रकार से वे भी अपने मनचाहे जीवनसाथी को प्राप्त करें।
3. उत्तम संतान की प्राप्ति के लिए भी हरियाली तीज का व्रत रखा जाता है।
4. जिन लोगों के दांपत्य जीवन में समस्याएं हैं, उनको भी हरियाली तीज का व्रत रखना चाहिए।
5. हरियाली तीज का व्रत रखने से दांपत्य जीवन खुशहाल रहता है।

तीज पर शिव-पार्वती पूजा का महत्व

हरियाली तीज के अवसर पर महिलाएं भगवान गणेशजी के साथ शिवजी और माता पार्वती की भी पूजा करती हैं। माता पार्वती और भगवान शिव की जोड़ी अटूट है। वे कई जन्मों से साथ हैं। शिव और शक्ति एक दूसरे के बिना अधूरे हैं। इस वजह से सुहागन महिलाएं हरियाली तीज पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं, ताकि उनको भी अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिले और उनकी भी जोड़ी शिव-पार्वती के समान अटूट रहे। विवाह योग्य कन्याएं हरियाली तीज का व्रत अपने मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए रखती हैं क्योंकि सावन माह में माता पार्वती को उनके मनचाहे वर भगवान शिव पति स्वरूप में प्राप्त हुए थे।

हरियाली तीज में हरे रंग का महत्व

सावन माह में वर्षा ऋतु होने के कारण पृथ्वी पर चारों ओर हरियाली रहती है। पृथ्वी पर हर ओर हरे-भरे पेड़ पौधे दिखाई देते हैं। माता पार्वती को प्रकृति का स्वरूप माना जाता है और हरा रंग सुहाग एवं सौभाग्य का प्रतीक होता है। हरा रंग भगवान शिव को भी प्रिय है। इस वजह से हरियाली तीज के दिन महिलाएं हरे रंग की साड़ी, चूड़ी और अन्य श्रृंगार सामग्री का उपयोग करती हैं।

मुहूर्त

सावन शुक्ल तृतीया तिथि का प्रारंभ- 31 जुलाई, रविवार, तड़के 02 बजकर 59 मिनट से, **सावन शुक्ल तृतीया तिथि का समापन-** 01 अगस्त, **सोमवार, प्रात-** 04 बजकर 18 मिनट पर, **रवि योग का प्रारंभ-** 31 जुलाई को दोपहर 02 बजकर 20 मिनट से, **रवि योग का समापन-** 01 **अगस्त को प्रात-** 05 बजकर 42 मिनट पर

हंसना मना है

दो मंत्री हेलीकॉप्टर में बैठे बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। पहला मंत्री-अगर मैं यहां से 50 रुपये का नोट फेंक दूं तो लोग खुश होंगे। दूसरा मंत्री-अगर मैं यहां से सौ रुपये का नोट फेंक दूं तो लोग और भी अधिक खुश होंगे। दोनों की बेतुकी बातें सुनकर पायलट चुप न रह सका, वह खीझकर बोला-अगर मैं तुम दोनों को यहां से उठाकर नीचे फेंक दूं तो लोग कितने खुश होंगे।

एक बार संता के गांव में एक मंत्री आया हुआ था। लोगों ने अपने गांव को सुधारने के लिए कई चीजों की मांग की। संता भी बोला- हमें अपने गांव में एक पुल चाहिए। मंत्री जी हैरान होते हुए बोले- पर तुम्हारे गांव में तो कोई नदी ही नहीं है। संता- तो फिर हमें एक नदी भी चाहिए।

एक कुकिंग कॉम्पिटिशन में चिंटू ने हिस्सा लिया। सारे लोग कुछ न कुछ बना रहे थे। चिंटू केवल खाली बर्तनों में चम्मच घुमा रहा था। यह देख कर एक प्रतियोगी ने उससे पूछा : क्या बना रहे हो? इस पर चिंटू का जवाब था : उल्लू बना रहा हूं।

टीचर- इस मुहावरे को वाक्य में प्रयोग करके बताओ-मुंह में पानी आना....संता- जैसे ही मैंने नल की टोंटी से मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया।

कहानी — सफलता का राज

एक बार एक लड़का गर्मी की छुट्टियां बिताने अपने दादाजी के पास गांव आया। एक दिन जब वह अपने दादाजी के साथ बैठा था तो उसने अपने दादाजी से एक सवाल पूछा कि सफलता का राज क्या है? इस पर दादाजी ने उसे पास की एक नर्सरी में जाकर वहां से दो पौधे खरीद लाने को कहा। उन्होंने एक पौधा घर के अन्दर और एक पौधा घर के बाहर लगाने को कहा। उस लड़के ने ऐसा ही किया। बाद में दादाजी ने अपने पोते से पूछा, तुम्हें क्या लगता है इन पौधों में से सबसे अधिक सफल कौन होगा। लड़के ने जवाब दिया कि घर के अन्दर जो पौधा लगाया है वो ज्यादा सफल होगा क्योंकि वो प्राकृतिक खतरों से बचा रहेगा जबकि बाहर जो पौधा लगाया गया है उसको काफी चीजों से खतरा है। दादाजी अपने पोते की बात सुनकर मुस्कुरा दिए, कुछ दिनों बाद लड़का वापस शहर चला गया। कुछ साल बाद जब वह लड़का वापस दादाजी से मिलने अपने गांव आया तो उसने अपने दादाजी से पौधों के बारे में पूछा। दादाजी ने उसे घर के अन्दर लगाया गया पौधा दिखाया, वह पौधा अब एक बहुत बड़ा पौधा बन चूका था। लड़के ने अपने दादाजी की और देखते हुए कहा, मैंने कहा था ना, कि यही पौधा ज्यादा सफल होगा। वैसे बाहर वाले पौधे का क्या हुआ। दादाजी उसे बहार लेकर आए तो लड़का हैरान रह गया। बहार वाला पौधा अब एक विशाल पेड़ का रूप ले चूका था। उसने दादाजी से पूछा कि यह कैसे संभव है कि बाहर वाला पौधा एक बड़ा पेड़ बना गया और अन्दर वाला पौधा उतना विकसित नहीं हो पाया। जबकि अन्दर वाला पौधा प्राकृतिक खतरों से सुरक्षित था। दादाजी ने उसे बताया की जीवन में खतरों से जूझकर ही सफलता हासिल होती है, सफलता का राज यही है। कहानी का तर्क यही है कि मुश्किलों का सामना करने वालों को ही सफलता मिलती है! इसीलिए कहा गया है! लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

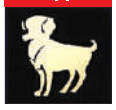

कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिलने की संभावना है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार मिलेगा।

वृषभ

परीक्षा व प्रतियोगिता आदि में सफलता प्राप्त होगी। रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी। छोटी-मोटी यात्रा हो सकती है। नौकरी में कोई नया कार्य कर पाएंगे।

मिथुन

किसी तरह के शारीरिक कष्ट की आशंका है, सावधान रहें। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। भागदौड़ अधिक होगी। लाभ में कमी हो सकती है।

कर्क

थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी।

सिंह

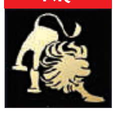

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नए मित्र बनेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यस्तता के चलते थकान हो सकती है। लापरवाही न करें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कन्या

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास बाहरी सहयोग से पूरे होंगे। निवेश इत्यादि से लाभ होगा। कारोबारी उन्नति होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। उत्साह में वृद्धि होगी।

तुला

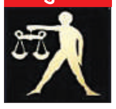

कोई बड़ा खर्च होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च हो सकता है। विवाद में हिस्सा न लें। कुसंगति से हानि होगी। आय बनी रहेगी।

वृश्चिक

चिंता तथा भय रहेंगे। कोई व्यर्थ व्यय हो सकता है। नया काम मिल सकता है। शत्रु परास्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में चैन रहेगा।

धनु

आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं।

मकर

किसी धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। मानसिक शांति रहेगी। किसी कानूनी अड़चन से निजात मिलेगी। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

कुम्भ

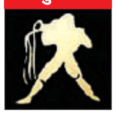

किसी भी कार्य को करने में जल्दबाजी न करें। चोट व दुर्घटना से हानि की आशंका है। शारीरिक क्षति हो सकती है। किसी व्यक्ति से बहस न करें। आय बनी रहेगी।

मीन

किसी सरकारी कार्यालय में अटका हुआ काम पूरा होगा। धन प्राप्ति सहज होगी। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। भागदौड़ रह सकती है। प्रमाद न करें।

अनुराग कश्यप संग धमाल मचाने को तैयार हैं तापसी

शाबाश मिटठू से लोगों का दिल जीत चुकीं एक्ट्रेस तापसी पन्नू जल्द ही एक बार फिर धमाल मचाने आ रही हैं ।उन्होंने मनमर्जियां के बाद एक बार फिर अनुराग कश्यप के साथ काम किया है। फिल्म से तापसी का पहला लुक भी सामने आ गया है ।जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। तापसी की फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। जैसा की आप ट्रेलर में देख सकते हैं कि तापसी फ्यूचर और प्रजेंट के बीच फंसी नजर आ रही हैं। ट्रेलर की शुरूआत तापसी और एक बच्ची से होती है, जो अपने नए घर पहुंचते है। तापसी को टीवी में, अपना घर दिखाई देता है, वह सबको बताती है, लेकिन कोई यकीन नही करता है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के आस-पास बुनी गई है ।कुल मिलाकर ट्रेलर सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। ट्रेलर से पहले फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर को फिल्म की प्रड्यूसर एकता कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर रिलीज किया था।

बॉलीवुड | मसाला

पोस्टर में तापसी का लुक काफी यूनिक लग रहा है। तस्वीर में वह थोड़ी परेशान भी दिखाई दे रही हैं। पोस्टर में आप देख सकते हैं कि बैकग्राउंड में बिजली की चमक दिख रहा है ।वहीं तापसी कर्ली हेयर, ब्लू फॉर्मल शूट और व्हाइट रेड शर्ट में चश्मा लगाएं दिखाई दे रही हैं। बताते चलें कि फिल्म दो बारा एक नए जमाने की साइंस फिक्शन थ्रिलर है ।तापसी पन्नू स्टारर फिल्म का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार है ।फिल्म से एक्ट्रेस के फर्स्ट लुक के साथ ट्रेलर को भी रिलीज कर दिया गया है, जिससे फिल्म के लिए फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। एकता कपूर और अनुराग कश्यप की न्यू एज थ्रिलर 19 अगस्त 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार ह॥

बॉलीवुड | मन की बात

एक्ट्रेस बनने से पहले किया था अभय देओल का इंटरव्यू: ऋचा

ऋचा चड्ढा ने हाल ही में मुंबई शहर में अपने सफर को लेकर कहा कि ओए लकी में कास्ट होने से पहले उन्होंने थिएटर के माध्यम से अभिनय में कदम रखा था। ऋचा ने अपने अभिनय की शुरुआत 2008 में अभय देओल अभिनीत फिल्म से की थी। ऋचा ने खुलासा किया कि उन्होंने अभय का लगभग एक मैग्जीन के लिए इंटरव्यू किया था। एक साथ एक फिल्म में कास्ट किए जाने से महीनों पहले अभिनेता ने उनकी बातचीत को याद किया, जब उन्होंने उन्हें बुलाया था। ऋचा ने कहा कि वह एक पत्रकार बनना चाहती थी। उन्होंने कहा कि पहली बार अभय देओल से बात की, जब वह एक मैग्जीन में इंटर्नशिप कर रही थी। ऋचा ने यह भी खुलासा किया कि अभय, जिन्होंने उस समय देव डी जैसी फिल्में साइन की थीं, ने उनके साथ फैशन फीचर करने से इनकार क्यों किया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि अभय भी नहीं जानते कि मैंने एक बार उन्हें एक साक्षात्कार के लिए बुलाया था, सर, हम आपके साथ एक अंदरूनी फैशन फीचर करना चाहते हैं। उन्होंने तब तक सोचा ना था और अहिस्ता अहिस्ता जैसी दो फिल्में की थीं। उन्होंने देव डी जैसी फिल्में साइन की थीं। उन्होंने मुझसे कहा, मेरे पास अगले साल लीड के रूप में कई फिल्में हैं, मुझे तब कवर दें, अभी नहीं । मैंने सोचा, आदमी में स्पष्टता है । छह महीने बाद, मैं उनके साथ काम कर रही थी। यह काफी शानदार था। उन्होंने ओए लकी में अभय के साथ काम करने के बारे में भी बात की और कहा, मुझे लगता है कि हर कोई अपनी पहली फिल्म को लेकर नर्वस होता है। वह बहुत प्यारा था। उस फिल्म में मेरे पास अच्छा समय था। मैं अभी भी कुछ अन्य अभिनेताओं के साथ दोस्त हूं। ऋचा को आखिरी बार डिज्नी + हॉटस्टार श्रृंखला द ग्रेट इंडियन मर्डर में देखा गया था।

डरावने अंदाज में सामने आया सोनाक्षी सिन्हा का लुक

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। सोनाक्षी सिन्हा को लेकर कभी उनकी शादी तो कभी सगाई की खबरें आती हैं। बीते दिनों सोनाक्षी ने अपने हाथ में अंगूठी पहन फोटो शेयर कर लोगों को हैरान कर दिया था। अब एक बार फिर अदाकारा लाइमलाइट में आ गई हैं। हालांकि, इस बार वजह उनकी पर्सनल लाइफ नहीं बल्कि उनकी नई फिल्म है।

कुश सिन्हा फिल्म को डायरोक्ट कर रहे हैं हैं। वहीं फिल्म में एक्ट्रेस परेश रावल के साथ स्क्रीन शेयर करने वाली हैं, जिसके लिए उन्होंने अपनी एक्साइटमेंट भी जाहिर की है। इन दोनों के अलावा फिल्म में एक्टर सुहैल नय्यर भी अहम रोल में होंगे। यूं तो परेश रावल जिस भी फिल्म में होते हैं, वहां कॉमेडी का तड़का जरूर लगता है। अब देखना यह होगा कि यह फिल्म एक सीरियस हॉरर होगी या फिर हॉरर कॉमेडी। फिल्हाल, फैंस सोनाक्षी के इस डरावने लुक को देखकर फिल्म के लिए एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। कुछ दिन पहले सोनाक्षी ने अपनी रिंग फिंगर में रिंग फ्लॉन्ट करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की थी। इन तस्वीरों को देखकर लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिया था कि सोनाक्षी ने सगाई कर ली है। बाद में सोनाक्षी ने एक पोस्ट के जरिए बताया था कि वह तस्वीरें किसी ऐड के शूट की थीं। बात करें अदाकारा के बाकी प्रोजेक्ट्स की तो जल्द ही वह ओटीटी प्लेटफार्म पर डेब्यू करने जा रही हैं। एक्ट्रेस एक थ्रिलर सीरीज 'दहाड़' में नजर आएंगी।

सोनाक्षी सिन्हा ने एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस की एक बड़ी तस्वीर बिखरे बालों और डरावने लुक में नजर आ रही है। वहीं घने जंगलों के बीच एक शख्स की परछाईं भी दिखाई दे रही है। पोस्टर को देखकर यही मालूम पड़ रहा है कि एक्ट्रेस किसी हॉरर फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसका नाम है निकिता रॉय। पोस्टर के साथ सोनाक्षी ने बताया है कि यह फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरु होने वाली है।

सौ मीटर दूर से ही सांप को सूंघ लेता है ये सपेरा कुछ ही देर में कर लेता है नागराज को बस में

सांप का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों की हालत पतली हो जाती है, लेकिन इस दुनिया में ऐसे भी कुछ लोग हैं जो सांप को देखते ही उसे पकड़ना पसंद करते हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में एक ऐसा सपेरा है जो सूंघकर सांप को पकड़ लेने की कला जानता है। जानवर या जीव-जंतुओं को गंध सूधने की क्षमता के बारे में कई बार सुना है लेकिन कोई आदमी गंध से सांप की जगह को पहचान ले, यह हैरान करने वाली बात है लेकिन ये बात सच है कि वह सपेरा अपनी सूंघने की ताकत से सांप को पक़डकर लेता है और लोगों को उसका खेल दिखाता है। जानकारी के मुताबिक सिलयारी गांव में मोहम्मद शंकर नाम एक सपेरा रहता है। वह पिछले कई सालों से रायपुर जिले के अलावा कई जगहों पर जाकर लोगों से सांप के रहने की जगह पूछता है और वहीं से तुरंत बीन बजाकर सांप को पकडकर ले आता है और गांव में खेल दिखाकर सांप को जंगल में छोड आता है। यह उसका रोज का काम है। लोगों का कहना है कि सांप जिस जगह पर रहता है उस स्थान को शंकर करीब 50 से 100 मीटर दूर से ही मिट्टी की गंध सूंघकर पहचान लेता है और उस स्थान पर जाकर बीन बजाता है. फिर सांप बाहर निकल आता है। सपेरे शंकर का कहना है कि सांप जब बिल में घुसता है तो उसके पेट का निशान मिट्टी पर पड़ता है। उस जगह से गंध उसकी नाक में आ जाती है। इसी से पहचान कर सांप की जगह तक पहुंच जाता है और उसे पकड़ लेता है। सपेरे का कहना है कि उसने ये विद्या बंगाल के अपने गुरू से सीखी थी। वह पिथले करीब दस साल से लोगों को सांप का खेल दिखाता आ रहा है। शंकर का कहना है कि वह सांप पकडने का काम आषाढ से कार्तिक माह तक ही करता है। इस बीच प्रत्येक वारों का भी समय रहता है। जैसे रविवार को सुबह 6 से 9 बजे तक, गुरुवार और शुक्रवार को दिनभर तथा बाकी दिनों में एक या दो घंटे का समय रहता है. उसी बीच में सांप पकडते हैं।

अजब-गजब | चार दशक पहले एक ट्रक चालक ने की थी शुरुआत

इस मंदिर में भक्त भगवान को चढ़ाते हैं घड़ी, यहां मांगी गई मन्नत होती है पूरी

हमारे देश में लाखों मंदिर है, आपको हर गांव, कस्बा और शहर में कोई न कोई मंदिर जरूर मिल जाएगा। यही नहीं, इनमें से कुछ मंदिर तो बेहद प्राचीन है और कुछ मंदिरों को रहस्यमयी और अद्भुत माना जाता है। आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में शायद ही आपने कभी सुना होगा। क्योंकि इस मंदिर में भगवान के भक्त उन्हें चढ़ावे के तौर पर रुपये, पैसे या कोई कीमती चीज न चढ़ाकर दिवाल घड़ी चढ़ाते है। ये जानकर आपको यकीनन हैरानी हो रही होगी, लेकिन ये बात बिल्कुल सच है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद में एक मंदिर है। इस मंदिर में विराजमान देवता को श्रद्धालु अपनी मन्नत पूरी होने पर फूल, माला, प्रसाद की जगह दीवाल घड़ी चढ़ाते हैं, उनका मानना है कि घड़ी चढ़ाने से बाबा खुश होते हैं। इसी परंपरा के कारण इस मंदिर के देवता को घड़ी वाले बाबा कहा जाता है। बताया जाता है कि इस देवस्थल पर घड़ी चढ़ाने की परंपरा करीब चार दशक पहले एक ट्रक चालक ने शुरू की थी। स्थानीय लोग बताते हैं कि एक व्यक्ति ने ब्रह्म बाबा से मन्नत मांगी थी कि वह ट्रक चलाना सीख लेगा तो दीवाल घड़ी चढ़ाएगा। उसकी मांगी मुराद पूरी होते ही उसने दीवाल घड़ी चढ़ा दी। इसके बाद यह एक परंपरा सी बन गई। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर मडियाहूं तहसील के जगरनाथपुर गांव में यह ब्रह्म बाबा का मंदिर प्राचीन काल से ही स्थानीय लोगों के लिए आस्था का केंद्र है। भक्त मन्नत मांगते हैं और पूरी हो जाने पर दीवाल घड़ी चढ़ाते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ब्रह्म बाबा सबकी मुरादें पूरी करते हैं। घड़ी वाले बाबा के दरबार में प्रतिदिन सैकड़ों भक्त आकर दर्शन-पूजन करते हैं और पूरी आस्था के साथ दीवाल घड़ी चढ़ाते हैं। उन्हें विश्वास है कि बाबा के यहां हाजिरी लगाने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ वापस नहीं जाता। घड़ी वाले बाबा के प्रति भक्तों में इतनी अटूट आस्था है कि मंदिर परिसर में खुले आसमान के नीचे टंगी कीमती दीवाल घड़ियों को कोई चुराना तो दूर, छूने तक की हिम्मत नहीं जुटा पाता।

गंगा एक्सप्रेस-वे के नाम पर किसानों का किया जा रहा उत्पीड़न : अखिलेश

» किसानों की जमीन का बैनामा कराए बगैर शुरू करवा दिया काम

» भ्रष्टाचार में डूबे हैं अधिकारी मंत्री और भाजपाई नेता

» 15 दिन में ही धंस गया बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में नीचे से लेकर ऊपर तक भाजपाई नेता, मंत्री, व अधिकारी डूबे हुए हैं और घूस के रेट हर विभाग-कार्यालय में निश्चित हैं। हर फाइल में भ्रष्टाचार शामिल है। यही भाजपा का रामराज है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर में बांसगांव से भाजपा सांसद पर बुजुर्ग अधिवक्ता की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लग रहा है। गंगा एक्सप्रेस-वे के नाम पर किसानों का उत्पीड़न एवं भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार में किसानों की जमीन का बैनामा कराए बगैर ही एक्सप्रेस-वे के नाम पर काम शुरू करवा दिया गया। उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की सीमा पर परिवहन की आवाजाही में वसूली की जा रही है। इसमें मंत्री, विधायक, अधिकारी और स्थानीय पुलिस सभी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार और उसके मंत्रीगण बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे पर इतरा रहे थे और इसे बड़ी उपलब्धि बता रहे थे। प्रधानमंत्री ने खुद इससे जनता को लाभ मिलने का बयान दिया था। 15 हजार करोड़ की लागत से बना ये एक्सप्रेस-वे 15 दिन भी नहीं चल पाया और रोजाना जगह-जगह धंसता जा रहा है। हमीरपुर में एक्सप्रेस-वे के अंडरपास में भी दरारें आ गई हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटनाओं की जांच में गई टीम ने उसमें तमाम खामियों को इंगित किया है। समाजवादी सरकार में बने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की गुणवत्ता की प्रशंसा सभी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है। सभी विभागों में ट्रांसफर पोस्टिंग का खेल खेला जा रहा है। जनता इस खेल में पिस रही है। जांच की आंच में बड़े-बड़े नाम आ रहे हैं। जितना भ्रष्टाचार भाजपा राज में हो रहा है उतना कभी नहीं हुआ।

सदस्यता अभियान तेज, प्रभारी नियुक्त

लखनऊ। सपा ने अपना सदस्यता अभियान तेज कर दिया है। पार्टी ने जिलेवार प्रभारी बना दिए हैं। सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने बुधवार को प्रभारियों के नाम की सूची जारी की। इसमें विधायकों, पूर्व सांसद व पूर्व मंत्रियों के साथ वरिष्ठ पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। लखनऊ की जिम्मेदारी पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप को सौंपी गई है। राष्ट्रीय महासचिव रामजी लाल सुमन को आगरा, श्याम लाल पाल व आलोक शाक्य को मैनपुरी, अक्षय यादव को फीरोजाबाद, असीम यादव को कासंगज, अमर सिंह यादव को हाथरस, राजाराम पाल को कानपुर नगर व नरेश उत्तम पटेल को कानपुर देहात की जिम्मेदारी दी गई है। डा. नवल किशोर शाक्य व चंद्रपाल सिंह यादव को फर्रूखाबाद, अखिलेश कटियार व रामवृक्ष सिंह यादव को कन्नौज, विशम्भर प्रसाद निषाद को औरैया, आरएस कुशवाहा को झांसी, श्याम सुंदर यादव को ललितपुर और तिलक चन्द अहिरवार को जालौन की जिम्मेदारी दी गई है। संतोष द्विवेदी व शिवशंकर पटेल को बांदा, विधायक विशंभर सिंह यादव को हमीरपुर, डा. चंद्रपाल सिंह यादव को महोबा, उदयवीर सिंह को चित्रकूट, धर्मेंद्र यादव को प्रयागराज गंगापार, कमलाकांत को प्रयागराज जमुनापार, डा. राजपाल कश्यप को फतेहपुर, इन्द्रजीत सरोज को कौशांबी व प्रतापगढ़ और सुरेंद्र सिंह पटेल व लाल बिहारी यादव को वाराणसी, हरदोई की जिम्मेदारी आरके चौधरी, रायबरेली की किरणमय नन्दा और गोरखपुर की अम्बिका चौधरी व जफर अमीन को सौंपी गई है।

संपत्ति धोखाधड़ी मामले में मुख्तार की अर्जी खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हजरतगंज क्षेत्र में जियामऊ स्थित शत्रु संपत्ति पर कब्जा कर उसे धोखाधड़ी से अपने व अपने बेटों के नाम कराने के आरोपों को लेकर मुख्तार अंसारी के खिलाफ चल रहे मुकदमे में आरोप से मुक्त करने की मांग वाली अर्जी खारिज हो गई है।

एमपी/एमएलए कोर्ट के एसीजेएम अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव ने अर्जी खारिज करते हुए मुख्तार अंसारी पर आरोप तय करने के लिए दो अगस्त की तारीख तय की है।

सहायक अभियोजन अधिकारी सोनू सिंह राठौर का तर्क था कि मामले की रिपोर्ट लेखपाल सुरजन लाल ने 27 अगस्त 2020 को थाना हजरतगंज में दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि मुख्तार अंसारी व उनके बेटों द्वारा कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सरकारी भूमि पर आपराधिक षड्यंत्र के तहत एलडीए से नक्शा पास कराकर अवैध निर्माण करके कब्जा कर लिया गया। अभियोजन की ओर से कहा गया कि मामले में माफिया मुख्तार अंसारी ने अनुचित दबाव डालकर अपने व अपने बेटों के नाम पर शत्रु संपत्ति को दर्ज करा लिया था।

ममता के मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता के फ्लैट से मिले 30 करोड़ और

» तीन करोड़ का सोना भी बरामद, शिक्षक भर्ती घोटाले में ईडी कर रही कार्रवाई मंत्री से भी पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार में हुए बहुचर्चित एसएससी शिक्षक भर्ती घोटाले में भारी भ्रष्टाचार के सबूत मिल रहे हैं। ईडी ने मामले में गिरफ्तार पूर्व शिक्षा व मौजूदा संसदीय कार्य मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के एक अन्य फ्लैट पर छापा मारकर 30 करोड़ से ज्यादा बरामद किए हैं। यहां मिली नकद राशि को ईडी की टीम को 20 संदूकों में भरकर ट्रक में ले जाना पड़ा। सूत्रों के अनुसार अर्पिता के ठिकानों से अब तक कुल 53.22 करोड़ रुपये नकद मिले हैं।

ईडी ने अर्पिता के उत्तरी 24 परगना जिले के बेलघरिया में स्थित फ्लैट पर बुधवार को छापा मारा था। यहां इतनी नकदी मिली है कि मशीनें लगाने के बाद भी नोटों की गिनती का काम अभी तक जारी है। चटर्जी के साथ ही अर्पिता भी ईडी की हिरासत में है। इससे पहले अर्पिता के टॉलीगंज स्थित फ्लैट से 21 करोड़ रुपए मिले थे। वहीं ईडी के अधिकारियों ने पार्थ चटर्जी, अर्पिता मुखर्जी व विधायक माणिक भट्टाचार्य से पूछताछ की।

पुलिस कप्तान के आदेश दरकिनार

झांसी में खुलेआम चल रहा नशे का कारोबार

» शहर से गांव तक गांजा माफिया सक्रिय

» जानकारी के बाद भी पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। पुलिस की लापरवाही के चलते जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र के युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। जिले में शहर से लेकर गांव तक गांजे का नशा करने वाले युवाओं को यह आसानी से उपलब्ध हो रहा है। शहर में कुछ कुछ घरों से खुलेआम गांजे का व्यापार हो रहा है। पुलिस कप्तान के आदेश के बावजूद संबंधित थाना प्रभारी नशे के अवैध कारोबार पर रोक नहीं लगा रहे हैं।

जिला मुख्यालय पर आधा दर्जन से अधिक ऐसे स्थान हैं, जहां आसानी से गांजा उपलब्ध हो रहा है। कई स्थानों पर पुलिस संरक्षण में तो कुछ स्थानों पर चोरी छिपे गांजे का व्यापार किया जा रहा है। शहर में शिवाजी नगर, मुर्गा मछली मार्केट, गल्ला मंडी, हाट का मैदान नगरा, पुरानी तहसील, दतिया गेट, सीपरी बाजार के मसीहा गंज, नालगंज के अलावा कई जगह गांजे का अवैध कारोबार किया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने पिछले एक साल में इसके खिलाफ मुहीम चलायी थी। लाखों रुपए का गांजा जब्त भी किया था। कुछ आरोपीयों को जेल भी भेजा लेकिन इस पर लगाम नहीं लग पा रही है।

उड़ीसा व छत्तीसगढ़ से जुड़े तार

जिले में अवैध गांजे का यह कारोबार नशा माफियाओं द्वारा अंतरराज्यीय स्तर पर किया जा रहा है। गांजे को उड़ीसा और छत्तीसगढ़ से लाकर उत्तर प्रदेश के बड़े शहरों में पहुंचाया जाता है। यहां से बाइक और कारों के जरिए गांजे को छोटे शहरों और ग्रमीण कस्बों तक पहुंचाते हैं। हाल में गांजा माफियाओं को बुंदेलखंड की जालौन पुलिस ने पकड़ा था। पुलिस ने इनके पास करोड़ों का 762 किलो गांजा बरामद किया था।

थान पुलिस को अवैध गांजा व्यापार की जानकारी है इसके बाद भी वह इन पर कार्रवाई नहीं करती। नशा माफिया पर शिकंजा कसने को लेकर पुलिस कप्तान शिवहरि मीणा ने थान प्रभारियों को फटकार भी लगाई है और सख्ती से निपटने का आदेश भी दिया है। वहीं पुलिस का कहना है कि कार्रवाई की जा रही है जल्द ही इसका दायरा बढ़ाया जाएगा।

भाजपा यूपी में अभी तक नहीं चुन पायी अगला प्रदेश अध्यक्ष

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां पार्टी पूरी तरह ताकतवर है। क्या वहां वो नए प्रदेश अध्यक्ष के नियुक्ति जरूरी नहीं समझती या वह एक चेहरे की तलाश में हैं जो उसकी 2024 लोक सभा चुनाव के नजरिए से सबसे कारगर साबित होगा? आखिर क्यों उत्तर प्रदेश में बीजेपी नहीं चुन पा रही है अपना अगला अध्यक्ष? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अनुपम मिश्रा, सैयद कासिम, सुशील दुबे, बृजेश शुक्ला और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सैयद कासिम ने कहा कि संगठन को अपने तरीके से काम करना। सरकार को अपने तरीके से काम करना, भाजपा में ऐसी अवधारणा है। फिलहाल जो भी प्रदेश अध्यक्ष होगा, वह ऐसा होना चाहिए जो सरकार के साथ बेहतर तालमेल कर सके। पीएम की नजर है इस प्रदेश इसलिए देर हो रही है अध्यक्ष का नाम सुझाने में।

बृजेश शुक्ला ने कहा जब विधान सभा चुनाव परिणाम आए तो तीन जिले ऐसे थे, कौशांबी, आजमगढ़ व एक अन्य, जहां खाता नहीं खुला। जांचें करवाई गई कि क्या कारण था कि एक भी सीट नहीं मिली। कौशांबी में दलित वोट छिटक गया। ऐसे में अब ऐसा प्रदेश अध्यक्ष देना है जो 24 में भरपाई कर सके। एक दर्जन नेता को दिल्ली बुलाया गया, बैठकें की। अनपुम मिश्रा ने कहा जहां-जहां बीजेपी की सरकारें है, वहां शीर्ष नेतृत्व का सीधा दखल रहता है। बृजेश पाठक को देखे, बसपा से आया आदमी डिप्टी सीएम हो जाता है। पर बीजेपी को ब्राह्मण की दरकार अभी पूरी नहीं हो रही है। सुशील दुबे ने कहा बिना योगी के मर्जी के अब कुछ नहीं होगा। योगी वन सरकार में वे केशव मौर्य से इसी बात पर भिड़ते रहे। कुर्सी का खेल है। जहां पर एक राज्यमंत्री देश के गृह मंत्री को इस्तीफा पहुंचाए वहां आप किस कदर संगठन और सरकार में रस्साकस्सी चल रही है, ये किसी से छुपा नहीं है। बंसल राजनीतिक डॉक्टर है। अमित शाह मंथन कर रहे होंगे, जल्द नाम सामने आ ही जाएगा।

राष्ट्रपति पर चौधरी के बयान पर संसद में बवाल

अधीर रंजन चौधरी ने की थी अमर्यादित टिप्पणी, माफी मांगने से किया इंकार

» संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर बोला तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बोलने पर संसद में भारी हंगामा हुआ है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को दिल्ली में पार्टी के एक प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रपति के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया था। इसे अब भाजपा ने मुद्दा बना लिया है। संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और स्मृति इरानी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

स्मृति इरानी ने कहा कि इसके लिए कांग्रेस को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। इस बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही हंगामे के चलते 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। भाजपा का कहना है कि इस मामले में सोनिया गांधी को माफी मांगनी चाहिए। स्मृति इरानी ने कहा कि कांग्रेस नेता का बयान बताता है कि उनकी पार्टी की सोच क्या है। उन्होंने कहा कि अधीर रंजन चौधरी जी ने राष्ट्रपति जी को राष्ट्र की पत्नी बताकर अपनी सोच उजागर की है। यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस की सोच आदिवासी विरोधी है और महिलाओं के खिलाफ है। अधीर रंजन चौधरी ही नहीं कांग्रेस को भी इस पर माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा से लेकर राज्यसभा तक में भाजपा ने इस मसले को पूरी ताकत के साथ उठाया है। राज्यसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोर्चा संभाला और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अधीर रंजन चौधरी की टिप्पणी महिला विरोधी है और सेक्सिस्ट है। इस बीच अधीर रंजन चौधरी ने सफाई देते हुए कहा कि अचानक उनके मुंह से यह शब्द निकल गया था। उनकी कोई गलत मंशा नहीं थी। माफी के सवाल पर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि चूक से एक शब्द निकल गया था। मैंने पहले राष्ट्रपति कहा और साथ-साथ में राष्ट्रपत्नी शब्द निकल गया। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि कल और परसों लगातार हम लोग जब विजय चौक की तरफ प्रदर्शन कर रहे थे तो हमसे पूछा गया कि आप कहां जाना चाहते हैं तो मैंने कहा था कि राष्ट्रपति से मिलना चाहते हैं।

अधीर ने पहले ही मांग ली माफी : सोनिया गांधी

भाजपा ने लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सदन के बाहर की गई टिप्पणी को लेकर भगवा खेमे की इस मांग पर दो टूक जवाब देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने संसद के बाहर कहा अधीर रंजन ने पहले ही माफी मांग ली है। सोनिया गांधी ने सीपीपी कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की तत्काल बैठक बुलाई है। पार्टी नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर रंजन चौधरी को भी इस बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया है। वहीं, हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है।

अपनी जातिवादी मानसिकता का परित्याग करे कांग्रेस : मायावती

मायावती ने अधीर रंजन के टिप्पणी पर कांग्रेस को घेरा है। भारत के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर आदिवासी समाज की पहली महिला के रूप में द्रौपदी मुर्मू जी का शानदार निर्वाचन बहुत लोगों को पसंद नहीं। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करना अति-दुःखद, शर्मनाक व अति-निन्दनीय। मायावती ने कहा माननीया राष्ट्रपतिजी को टीवी पर 'राष्ट्रपत्नी' कहने का विरोध करते हुए संसद की कार्यवाही भी आज बाधित हुई है। उचित होगा कि कांग्रेस पार्टी भी इसके लिए देश से माफी मांगे तथा अपनी जातिवादी मानसिकता का परित्याग करे।

सफाई देना चाहता था पर मिले नहीं पत्रकार : रंजन

चौधरी ने कहा राष्ट्रपति बोलने के तुरंत बाद निकल गया कि राष्ट्रपत्नी से मिलना चाहते हैं। मेरी टिप्पणी के बाद पत्रकार तुरंत निकल गए, मैं उन्हें मिलकर बताना चाहता था, लेकिन वह मिले ही नहीं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि सिर्फ एक बार ऐसा शब्द निकल गया और चूक हुई है। लेकिन सत्ताधारी दल तिल का ताड़ बनाने की कोशिश में जुटा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक बार बात निकली है और चूक हुई है। इसके लिए मुझे फांसी पर लटकाना है तो लटका दो।

अब 17 साल की उम्र पार करते ही वोटर लिस्ट में जुड़वा सकेंगे नाम

चुनाव आयोग का आदेश, वोटर लिस्ट के लिए युवा कर सकेंगे आवेदन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने के लिए अब 18 साल की आयुसीमा तक पहुंचने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। चुनाव आयोग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार 17 साल से अधिक उम्र वाले युवा एडवांस में ही इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे ने सभी राज्यों के को निर्देश दिया है कि वे ऐसी तकनीक वाला समाधान लाएं, जिससे युवाओं को एडवांस आवेदन करने में सुविधा हो। चुनाव

आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अब युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करने के लिए साल के 1 जनवरी को 18 साल की आयुसीमा को पूरा करने का इंतजार नहीं करना है बल्कि 17 साल से अधिक होते ही वे अपना नाम वोटर लिस्ट में डलवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। बता दें कि हर साल की पहली जनवरी को 18 साल की उम्र होने के बाद ही युवा अपना नाम मतदाता सूची में दाखिल करा सकते थे लेकिन अब चुनाव आयोग ने बदलाव किया है। इसके अनुसार 17 साल के बाद एडवांस में युवा इसके लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा मतदाताओं से आधार कार्ड का नंबर प्राप्त करने के लिए बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) घर-घर जाएंगे। नए प्रारूप में आ रहे फार्म छह-बी पर वह आधार कार्ड का नंबर दर्ज करेंगे। नंबर लेने के एक सप्ताह के भीतर मतदाता के नाम के साथ आधार कार्ड के नंबर को लिंक कराना होगा।

अंबेडकर पार्क से हाथी की मूर्ति चोरी, मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के अंबेडकर पार्क से हाथी की मूर्ति चोरी हो गई है। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरी की इस घटना से हड़कंप मचा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक लखनऊ के गोमती नगर में 1090 चौराहा स्थित अंबेडकर पार्क के फौव्वारे में हाथियों की छोटी-बड़ी कई मूर्तियां लगी हैं। हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद चोरी की यह घटना हुई है। जानकारी के मुताबिक पार्क के मेन गेट पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जो

हर छोटी और बड़ी चीज पर नजर रखते हैं। रोज दोनों समय हाथियों के मूर्ति की गिनती की जाती है। इसका रिकॉर्ड उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में मूर्ति चोरी होना चौंकाने वाली बात है। एडीसीपी सेंट्रल जोन राघवेंद्र मिश्रा के मुताबिक हाथी की मूर्ति चोरी हुई है। तैनात कर्मचारियों से लेकर सभी तथ्यों पर जांच की जा रही है।

मिर्जापुर : आश्रम में चली गोली, साधु की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिर्जापुर जिले के सक्तेशगढ़ स्थित स्वामी अड़गड़ानंद के परमहंस आश्रम में जब भक्त और आश्रम के लोग सुबह की दिनचर्या में लीन थे। तभी गोली चल गई। घटना में साधु जीवन बाबा उर्फ जीत (45) पुत्र सियाराम निवासी सीहोर जनपद शिवपुर (मध्य प्रदेश) और आशीष महराज (46) को गोली लग गई।

गोली लगने से साधु जीत की मौत हो चुकी थी जबकि दूसरा गंभीर घायल हो गया। घायल को आश्रम के लोग आननफानन चंदौली स्थित एक निजी अस्पताल लेकर चले गए। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के दौरान स्वामी अड़गड़ानंद आश्रम में मौजूद थे। पुलिस जांच कर रही है।

शासनादेश का उल्लंघन करने वाले अफसरों पर हो कार्यवाही : अमिताभ

» अल्पसंख्यक सहित अन्य थानाध्यक्ष को मानक के अनुसार की जाए तैनाती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमिताभ ठाकुर तथा डॉ. नूतन ठाकुर ने विभिन्न जिलों में थानाध्यक्षों की नियुक्ति में निर्धारित मानक विषयक शासनादेश के घोर उल्लंघन का मामला उठाते हुए इसके अनुपालन की मांग की है।

सीएम योगी सहित अन्य सीनियर अफसरों को भेजी अपनी शिकायत में अमिताभ ने कहा कि आरटीआई में एडीजी जोन वाराणसी कार्यालय द्वारा

वाराणसी जोन के तीन रेंज, वाराणसी, आजमगढ़ तथा मिर्जापुर के विभिन्न थानों में विभिन्न वर्गों के थानाध्यक्षों की संख्या विषयक सूचना के अनुसार एससी केटेगरी हेतु आरक्षित 21 प्रतिशत थानाध्यक्ष के पदों की तुलना में मात्र 15.6 प्रतिशत, एसटी केटेगरी में 2 प्रतिशत के सापेक्ष 1.04 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग में 27 प्रतिशत के स्थान पर 21.04 प्रतिशत तथा अल्पसंख्यक के मात्र 0.52 प्रतिशत थानाध्यक्ष नियुक्त हैं। उन्होंने कहा कई वर्षों से गृह विभाग के शासनादेश द्वारा अल्पसंख्यक हेतु थानाध्यक्ष के पदों पर पांच प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था चली आ रहा है। ऐसे में मात्र 0.52 प्रतिशत अल्पसंख्यक थानाध्यक्ष बनाया जाना स्पष्टतया अनुचित तथा शासनादेश का घोर उल्लंघन जान पड़ता है। वाराणसी जोन के 181 थानों में मात्र 1 थाने पर अल्पसंख्यक थानाध्यक्ष हैं। अमिताभ ने इसे प्रशासन के बुनियादी सिद्धांतों के विपरीत बताते हुए प्रत्येक जिले में इस शासनादेश का पूर्ण अनुपालन किये जाने तथा शासनादेश का उल्लंघन करने हेतु अफसरों पर कार्यवाही की मांग की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।